मंगलवार • 21.01.2020

अमर उजाला 05

सीबीएसई : अनुक्रमांक के आगे लगेगा कोड

10वीं के छात्रों के रोल नंबर के आगे एक और 12वीं में अनुक्रमांक के आगे लिखा होगा दो, सुरक्षा को लेकर इसी साल से लागू होगी व्यवस्था

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं का अनुक्रमांक अब एक या दो अंकों से शुरू होगा। अभी तक अनुक्रमांक सात अंकों का होता है पर अब यह कोड रोल नंबर से पहले लगाया जाएगा। दसवीं के छात्रों के अनुक्रमांक के आगे 1 और 12वीं के छात्रों के अनुक्रमांक के आगे दो लिखा होगा। छात्रों को नीचे इसी सीरियल के अनुसार गोला बनाना पड़ेगा।

डॉ. जावेद आलम

सीबीएसई ने सुरक्षा की दृष्टि से अनुक्रमांक में कोडिंग व्यवस्था लागू की है। मसलन किसी दसवीं के छात्र का अनुक्रमांक 5464567 है तो अब उसका अनुक्रमांक 15464567 होगा। वहीं इंटर के छात्र का अनुक्रमांक 6589568 है तो अब 26589568 होगा। डीपीएस कल्याणपुर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में सीबीएसई की ओर से आए वक्ता डॉ. जावेद आलम ने बताया कि यह व्यवस्था इसी साल से लागू होगी। बोर्ड परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए प्रिंसिपल, शिक्षकों की प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ सोमवार को प्रिंसिपल अर्चना निगम ने किया। डॉ. जावेद ने बताया कि हर परीक्षक प्रतिदिन 25-30 कॉपियों का मूल्यांकन करेगा और 12 दिनों के भीतर मूल्यांकन कार्य समाप्त करना होगा। परीक्षक बैंगनी, लाल और काले रंग के कलम का इस्तेमाल करेंगे। स्पेशल बच्चों की कॉपियों का मूल्यांकन अलग होगा।

कार्यशाला में विभिन्न स्कूलों के प्रिंसिपल और शिक्षक मौजूद रहे।

चार से पांच स्कूल मिलकर बनाएंगे लर्निंग हब

सीबीएसई अब लर्निंग हब विकसित करने की तैयारी में है। इसमें एक ही क्षेत्र में स्थित कुछ स्कूल मिलकर शिक्षा के विकास में एक दूसरे की मदद करेंगे। कुछ शहरों में यह हब विकसित हो चुका है, जबकि जल्द ही कानपुर में भी इसकी शुरुआत होगी। सीबीएसई के प्रवक्ता डॉ. जावेद ने बताया कि चार से पांच स्कूल मिलकर लर्निंग हब बनाएंगे। इसमें से एक स्कूल लीड स्कूल होगा जिसके शिक्षक आसपास के स्कूलों को पढ़ाई के नए-नए तरीकों के बारे में बताएंगे। इसके अलावा लीड स्कूल में होने वाली एक्स्ट्रा एक्टिविटी भी शामिल की जाएगी। डॉ. जावेद ने कहा कि इससे विचारों का आदान प्रदान होने से छात्रों का फायदा होगा।

कोडिंग से होंगे ये फायदे

पुनर्मूल्यांकन के दौरान 10वीं और 12वीं की कॉपियों की जांच में आसानी होगी। संभावना है कि इस बार कुछ कॉपियों को ऑनलाइन करेक्शन कराने की कवायद की जा रही है तो ऐसे में कोडिंग व्यवस्था जरूरी है। हाईस्कूल और इंटर की कॉपियों के मिक्स होने के बावजूद इस व्यवस्था से काफी सहूलियत मिलेगी।

आठ चरणों से गुजरेगी कॉपी

सीबीएसई से नियुक्त चीफ नोडल सुपरवाइजर आनंद पांडे ने बताया कि छात्र की कॉपी आठ चरणों से होकर गुजरेगी। मूल्यांकन कर रहे दो परीक्षक पहले आपस में कॉपियों की अदला बदली कर जांच करेंगे। फिर दो असिस्टेंट हेड एग्जामिनर, तीन डिप्टी हेड एग्जामिनर और फिर हेड एग्जामिनर के पास कॉपी री-चेक होने के लिए जाएगी। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों को 15 मिनट से लेकर 60 मिनट तक का अतिरिक्त समय देने का प्रावधान भी है।

पांच लाख लगेगा जुर्माना

आनंद ने बताया कि जो परीक्षक बिना बताए मूल्यांकन कार्य करने नहीं आते हैं तो उनके स्कूल पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। पहले यह फीस 50 हजार थी, जिसे इस साल से बढ़ाकर पांच लाख कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कॉपियों का मूल्यांकन बाधित न हो, इसलिए यह व्यवस्था की गई है।

इंटर में गणित में भी प्रैक्टिकल व्यवस्था

कानपुर। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन के 12वीं के गणित विषय के छात्रों के लिए इस बार प्रैक्टिकल (लैब मैनुअल एक्टिविटी) व्यवस्था लागू की गई है। इसके लिए 20 अंक निर्धारित किए गए हैं। 80 नंबर थ्योरी के लिए हैं। सीबीएसई की ओर से नियुक्त चीफ नोडल सुपरवाइजर आनंद पांडे ने कहा कि 12वीं में गणित को छोड़कर हर विषय में प्रैक्टिकल होता है। इससे छात्रों को अच्छे अंक मिल जाते हैं। ऐसे में बोर्ड ने तय किया है कि इस बार से गणित में प्रैक्टिकल लागू करेंगे। छात्र जो थ्योरी पढ़ेंगे उसका प्रैक्टिकल गणित लैब में जाकर करेंगे। मसलन मॉडल, कटिंग आदि के जरिये गणितीय समाधानों को प्रस्तुत करेंगे। बताया कि जिन स्कूलों में गणित लैब की सुविधा नहीं होगी वहां पर फिजिक्स की लैब में प्रैक्टिकल किए जाएंगे।

गणित के दो तरह के पेपर

इस बार 10वीं के बोर्ड में दो तरह के गणित के पेपर होंगे। छात्र गणित के बेसिक और स्टैंडर्ड का विकल्प भर सकते हैं। बेसिक में सामान्य से आसान और स्टैंडर्ड में कुछ टफ पेपर आएगा। छात्रों के पेपर की पसंद के अनुसार ही उनका सीटिंग अरेंजमेंट किया जाएगा। कक्ष निरीक्षकों के पास अनुक्रमांक के अनुसार बेसिक और स्टैंडर्ड की लिस्ट भी होगी।

दैनिक जागरण कानपुर, 21 जनवरी 2020

सीबीएसई ने जारी किए 10वीं व 12वीं के एडमिट कार्ड

जासं, नई दिल्ली : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के एडमिट कार्ड आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिया है। हालांकि, सीबीएसई ने एडमिट कार्ड डाउनलोड करने का अधिकार सिर्फ स्कूलों को दिया है, इसलिए छात्र एडमिट कार्ड को खुद डाउनलोड नहीं कर पाएंगे।

बोर्ड प्रवक्ता के मुताबिक स्कूल एक-दो दिन में एडमिट कार्ड डाउनलोड कर छात्रों को बांटना शुरू कर देंगे। सीबीएसई के सभी संबंधित स्कूलों के पास वेबसाइट लॉग इन आइडी और पासवर्ड होगा, जिसके जरिए स्कूल एडमिड कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे। इस पर स्कूल के प्रिंसिपल का हस्ताक्षर जरूरी है। बिना हस्ताक्षर किए प्रवेश पत्र मान्य नहीं होंगे।

मंगलवार, 21 जनवरी 2020

हिन्दुस्तान

रोल नंबर आठ अंक का कॉपी में दिए सात बॉक्स

सीबीएसई 12वीं

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

संयुक्त निदेशक डॉ. जावेद आलम खान।

सीबीएसई ने कक्षा 12 की उत्तर पुस्तिका में छात्रों के रोल नंबर को भरने के लिए जो फॉर्मेट बनाया है वह बच्चों को मुश्किल में डाल सकता है। रोल नंबर लिखने के लिए कॉपी पर केवल 07 बॉक्स हैं जबकि रोल नंबर में 08 अंकों का है। रोल नंबर का पहला अंक बॉक्स के बाहर छात्रों को लिखना होगा।

सत्र 2019-20 में परीक्षा के संदर्भ में हुए बदलाव की जानकारी देने के लिए सोमवार को सीबीएसई ने इलाहाबाद रीजन के 600 प्रिंसिपलों और शिक्षकों के साथ वर्कशॉप की। डीपीएस कल्याणपुर में वर्कशॉप को मुख्य रिसोर्स वक्ता संयुक्त निदेशक डॉ. जावेद आलम खान ने संबोधित किया।

कॉपी का पहला पेज ही 'परीक्षा' : आम तौर पर छात्रों को जो अनुक्रमांक दिए जाते हैं, उसी के अनुसार कॉपी पर बॉक्स बनाए जाते हैं। इसमें अनुक्रमांक लिखकर छात्र इसके नीचे बने बॉक्स को भरते हैं। पर 12वीं के छात्रों को इस बार अपना अनुक्रमांक लिखने की भी परीक्षा देनी होगी। जरा सी जल्दबाजी काफी कुछ बिगाड़ देगी। वर्कशॉप में बताया गया कि इस बार 12वीं का जो अनुक्रमांक है, उसकी शुरूआत 1 या 2 नंबर से होगी। 01, 02 विशिष्ट सूचना के चिन्ह हैं। इन्हें बॉक्स के बाहर ही लिखें। अलग गहरा गोला बनाएं। ध्यान रहे कि अपना रोल नंबर लिखते समय पहला अंक बॉक्स (खानों) के बाहर ही लिखें। भ्रम होने पर परीक्षक से पूछे।

यदि दुर्घटना हो जाए तो : वर्कशॉप में यह भी बताया गया कि यदि दुर्भाग्य से कोई छात्र दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है, तो उसे सर्जन के प्रमाणपत्र के साथ सेंटर सुप्रिंटेंडेंट को देना होगा।

पहले कॉपी चेक कर लें

यह भी कहा गया कि हर छात्र की कॉपी पहले शिक्षक चेक करे तब जमा करें। यदि उसमें कोई निशान लगाया गया है, मोबाइल नंबर लिखा है तो इसकी जानकारी तत्काल परीक्षा निरीक्षक को दें। यहां कोऑर्डिनेटर का परिचय प्रिंसिपल अर्चना निगम ने कराया।

यह भी करना होगा

यदि कोई विद्यालय विशिष्ट विषय को पढ़ा रहा है और उससे संबंधित सामग्री छात्र को दी जानी है तो इसके बारे में सेंटर को पहले से जानकारी दी जाए। यह भी निर्देश दिए कि बच्चे पहले से सेंटर देख लें और सेंटर पर 15 मिनट पहले हर हाल में पहुंचने के निर्देश दिए।

हिन्दुस्तान
मंगलवार , 21 जनवरी 2020

पाइथॉन के फॉर्मेट पर कम्प्यूटर साइंस की है पहली परीक्षा

सीबीएसई, 12वीं
कंप्यूटर साइंस

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

सीबीएसई 12वीं कम्प्यूटर साइंस (न्यू-083) इस बार नए पैटर्न पर आएगा। पेपर को सरल रूप दिया गया है। पेपर में पूरे सिलेबस को कवर किया गया है। पाइथॉन के इस फॉर्मेट पर यह पहली परीक्षा होने जा रही है। छात्रों को थ्योरी के साथ प्रॉब्लम वाले सवालों की लिखकर प्रैक्टिस करनी होगी।

सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर के कम्प्यूटर साइंस के शिक्षक विक्रांत कपूर का कहना है कि कम्प्यूटर साइंस में एक न्यू और एक ओल्ड पेपर है। यहां जो भी जानकारियां हैं वह न्यू पेपर से संबंधित हैं। ओल्ड का पैटर्न पूरी तरह बदला हुआ है।

चार सेक्शन में होगा पेपर : नए फॉर्मेट के अनुसार प्रश्नपत्र को चार सेक्शन में बाटा गया है। हर सेक्शन में सवाल अलग-अलग प्रारूप व अलग-अलग अंकों में विषयवार बंटे हुए हैं।

सेक्शन एक करएगा स्कोर : पहले सेक्शन में दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या एक के तीन सवाल एक-एक नंबर के होंगे। यह बेसिक नॉलेज पॉइथान को टेस्ट करेंगे। दो अंकों के तीन प्रश्न होंगे। इसमें एरर फाइंडिंग और आउटपुट निकालना होगा। एक सवाल तीन अंक का रैंडम मॉड्यूल से होगा। जहां तक संभव हो, आउटपुट निकालने में वर्किंग जरूर दिखाएं।

सेक्शन ए का प्रश्न नंबर 02 : सेक्शन ए में सवाल नंबर 02 में टॉपिकवार सवाल पूछे जाएंगे। एक-एक नंबर के पांच सवाल पूछे जाएंगे। यह एरर आउटपुट के फॉर्मेट से पूछे जा सकते हैं। इसी सेक्शन (ए) में चार्ट, फाइल और रिकर्शन के सवाल भी आएंगे। यह 09 नंबर के होंगे। प्रश्न चार नंबर के स्टैक-क्यू से होंगे। इसमें कोडिंग करनी होगी।

सेक्शन बी में थ्योरी जरूरी : सेक्शन बी के प्रश्न नंबर 02 में नेटवर्किंग एंड साइबर बेस्ड सवाल होंगे। ब्लैंक्स, फुल फॉर्म्स थ्योरी के सवाल होंगे। थ्योरी बेस्ड सवाल को ध्यान से करने की आवश्यकता है। डायग्राम बनाएं ताकि सवाल को पूरी तरह समझाया जा सके।

डाटाबेस प्रश्न आएंगे

सेक्शन सी डेटाबेस के सवाल के साथ आएगा। अधिक अंक पाने के लिए यह सेक्शन काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। यहां की-वर्ड्स जो एसक्यूएल से रिलेटेड है, उससे करीब सात मार्क्स के प्रश्न और उसके आउटपुट पूछे जाएंगे। एक टेबल या दो टेबल से संबंधित सवाल होते हैं।

सेक्शन डी 10 अंक का

सेक्शन डी 10 मार्क्स का होगा। यह एक थ्योरी का प्रश्न होगा जिसके सब पार्ट्स 01-02 मार्क्स के पूछे जाएंगे। साइबर सेफ्टी, ई-वेस्ट मैनेजमेंट, इंटरनेट चैप्टर्स के सवाल आएंगे। यहां अगर स्टूडेंट ने नोट्स बनाकर तैयारी की है तो उसके लिए आसानी होगी।

70 अंकों का होगा पेपर

एग्जाम के नए पैटर्न में लगभग सभी चैप्टर कवर किए गए हैं। पाइथॉन एक आसानी सी लिखी जाने वाली लैंग्वेज है। इसमें सिंटेक्स बहुत काम का है। 70 अंकों की लिखित और 30 अंक का प्रैक्टिकल होगा।

■ **इन चैप्टरों को जरूर पढ़ें :** एसक्यूएल लिस्ट, प्लॉट, रिकर्शन, स्टैक, फाइल, ई-वेस्ट, इंपोर्टेंट टॉपिक्स है। जरा भी ओवर कॉफिडेंट होने से अंकों पर असर पड़ता है।

कोडिंग की लिखकर प्रैक्टिस करें

पूरे अंक पाने के लिए कोडिंग की लिखकर प्रैक्टिस करें। पूरा सिलेबस को कम से कम दो बार ध्यान से पढ़ें। एक अंक के सवालों का डाटा बैंक बनाएं ताकि इसमें पूरे अंक पाए जा सकें। लिख कर प्रैक्टिस करें। केवल कोडिंग या केवल केवल थ्योरी के बल पर अंक पाना मुश्किल होगा।

-विक्रांत कपूर, पीजीटी कम्प्यूटर साइंस, सर पदमपत सिंहानिया एजु. सेंटर

हिन्दुस्तान 23/1/2020

शहीदों के बेटों और बेटियों को सीबीएसई ने दी बड़ी राहत

पहल

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

मिलेट्री, पैरा मिलेट्री के ऐसे जवान जो आतंकवाद और वामपंथी अतिवाद से निपटने के दौरान शहीद हुए हैं, उनके बेटे-बेटियों को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) ने सत्र 2019-20 की 10वीं व 12वीं की परीक्षा में बड़ी राहत दी है। बोर्ड के अनुसार ऐसे बेटे-बेटी मनचाहे शहर व सेंटर पर परीक्षा दे सकते हैं। यदि वह किसी विषय की परीक्षा न देना चाहें तो उस विषय की परीक्षा बाद में देने की छूट मिलेगी।

सीबीएसई ने पुलवामा अटैक के बाद से इस व्यवस्था को शुरू किया था। सत्र 2018-19 में मिलेट्री, पैरा मिलेट्री के उन जवानों के शहीदों के बेटे-बेटियों को राहत दी गई थी जो आतंकवाद से निपटने में शहीद हुए थे। वर्तमान सत्र में वामपंथी अतिवाद (लेफ्ट विंग एक्सट्रिमिजम) आदि से निपटने में शहीद हुए जवानों के बच्चों को भी इसका लाभ दिया गया है।

सहूलियत

- आतंकवाद या वामपंथी अतिवाद से निपटने में शहीद के बच्चे शामिल
- केवल सेंटर ही नहीं जिस शहर में चाहें वहां दे सकते हैं परीक्षा

सेंटर व शहर बदलने का लाभ : शहीदों के जो बेटे-बेटी वर्ष 2020 में कक्षा 10 व 12 की परीक्षा दे रहे हैं, वह अगर उसी शहर में अपना सेंटर बदलना चाहते हैं तो उन्हें इसकी अनुमति दे दी जाएगी। इसी तरह अगर कोई शहीद का बेटा-बेटी शहर में बदलाव चाहता है तो वह भी ऐसा कर सकता है। जैसे, यदि वह कानपुर में अध्ययन कर रहा है और दिल्ली के किसी सेंटर में परीक्षा देना चाहता है तो उसे अनुमति दी जाएगी।

ऐसे करें आवेदन : ऐसे बच्चों को अपने-अपने स्कूलों में आवेदन करना होगा। स्कूलों के माध्यम से इसे रीजनल ऑफिस भेज दिया जाएगा। स्कूलों को इस तरह के आवेदन 31 जनवरी तक हर हाल में रीजनल ऑफिस भेजना होंगे। इसके बाद सीबीएसई अनुमति देगा।

बाद में दे सकते हैं परीक्षा

सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक डॉ. सान्याल भारद्वाज के अनुसार यदि किसी शहीद के बेटे-बेटी का प्रैक्टिकल छूट गया है तो उसे एक और मौका दिया जाएगा। वह 02 अप्रैल 2020 को अपने स्कूल में प्रैक्टिकल एग्जाम दे सकता है। यही नहीं अगर कोई बेटा या बेटी किसी विषय की परीक्षा बाद में देना चाहता है तो वह ऐसा भी कर सकता है। इसके लिए उसे खास छूट दी जाएगी।

तत्काल करें आवेदन

बोर्ड से जो सर्कुलर आया है उसमें मिलेट्री, पैरा मिलेट्री और वामपंथी अतिवाद आदि से निपटने में जो जवान ड्यूटी के दौरान शहीद हुए हैं, उनके बेटे-बेटियों को 10वीं व 12वीं 2020 की परीक्षा में कुछ राहत दी है। पर इसके लिए ऐसे बच्चों को अपने स्कूलों में तत्काल आवेदन करना होगा। अंतिम निर्णय बोर्ड लेगा।

-सरदार बलविंदर सिंह
सिटी कोऑर्डिनेटर, सीबीएसई

परीक्षा में डायबिटिक बच्चे दवा, फल और पानी ले जा सकेंगे

छात्र फर्जी वीडियो न देखें और अफवाहों से भी बचें

सलाह

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

सीबीएसई 10वीं व 12वीं के प्रवेशपत्र पर कोड है। इसे स्कैन कर कक्ष निरीक्षक देख सकेंगे कि यह असली है अथवा नहीं। बोर्ड ने सभी छात्रों को अलर्ट भी किया है कि वे परीक्षा से पहले या उसके दौरान उड़ने वाली अफवाहों से दूर रहें और स्वयं भी अफवाहें न फैलाएं। सोशल मीडिया पर परीक्षा के संदर्भ में जारी फर्जी वीडियो और मैसेज न देखें।

सीबीएसई सिटी कोऑर्डिनेटर सरदार बलविंदर सिंह ने कक्षा 10 व 12 की परीक्षा के संदर्भ में बच्चों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके साथ ही बच्चों को सबसे ज्यादा ध्यान रोल नंबर लिखने पर देना है।

उत्तर पुस्तिका में अनुक्रमांक लिखते समय 10वीं के छात्र इससे पहले 1 और 12वीं के छात्र को 2 लिखेंगे। यह बॉक्स के बाहर लिखना होगा।

बच्चों की काउंसिलिंग को पहली फरवरी से सीबीएसई ऑनलाइन काउंसिलिंग की शुरूआत कर देगा। बच्चों को चाहिए कि स्वस्थ रहने के लिए संतुलित भोजन करें। पढ़ाई करते समय बीच-बीच में तरल पदार्थों का सेवन करते रहें जैसे सूप, दूध, फलोंका रस आदि।

-सरदार बलविंदर सिंह, सिटी कोऑर्डिनेटर, सीबीएसई

इन बातों का भी रखें ध्यान

- परीक्षा केंद्र के बारे में एक दिन पहले जानकारी कर लें
- परीक्षा कक्ष में आप हर हाल में 10 बजे प्रवेश कर जाएं
- प्रातः 09 बजे से प्रवेशपत्र जांच कर प्रवेश दिया जाएगा।
- रोल नं. के बारे में कक्ष निरीक्षक के निर्देशों को समझ लें
- प्रवेशपत्र खोने पर प्रिंसिपल से संपर्क कर डुप्लीकेट ले लें।
- इलेक्ट्रानिक या मोबाइल डिवाइस अपने साथ न ले जाएं।

छात्रों के लिए राहत

डायबेटिक बच्चों को अपने साथ पानी की बोतल, दवाएं व फल ले जाने की छूट है। रेगुलर छात्र अपने स्कूल में यूनिफार्म में परीक्षा देने जाएं। प्राइवेट छात्र साधारण कपड़ों में परीक्षा देने जाएं।

ये ले जा सकते हैं साथः छात्र अपने साथ एक ट्रांसपेरेंट पाउच ले जा सकते हैं जिसमें यह चीजें रखी जा सकती हैं, जैसे केवल ब्ल्यू या रॉयल ब्ल्यू बॉल प्वॉइंट पेन/जेल/फाउंटेशन पेन, पेंसिल, स्केल, शार्पनर, ज्योमेट्री इन्स्ट्रूमेंट्स, कलर, ब्रुश, एडमिट कार्ड आदि।

इसके लिए बच्चे पहले कक्ष निरीक्षक से समझ लें, फिर लिखें। किसी तरह की इसके लिए जल्दबाजी न करें। क्वेश्चयन पेपर सेट आनसर बुक में स्पष्ट लिखें।